BIBI FATMA TEACHERS' TRAINING COLLEGE SAMASTIPUR

C5

R.N.ROY

Understanding Discipline & subject

विषय और अनुशासन की समझ

UNIT- 1

साधारण रूप से वह सभी विषय वस्तु जो विद्यालय में पढ़ाया जाता है उसे विषय की संज्ञा दी जाती है तथा वही विषय जब उच्च स्तर के ~~लिए~~ शिक्षण एवं ~~अध्~~ अध्ययन के रूप में प्रयोग किया जाता है तो उसे अनुशासन की संज्ञा दी जाती है। शिक्षा के क्षेत्र में ज्ञान को उसके स्वरूप उपयोगिता के क्षेत्र एवं अध्ययन के आधार पर दो वर्गों में बाँटा गया है विषय और अनुशासन

सामान्य रूप से विषय एवं अनुशासन ज्ञान की प्राप्ती, अध्ययन के दृष्टिकोण से, छात्रों के विकास के दृष्टिकोण से समान प्रतीत होते हैं। किन्तु ऐसा नहीं है जैसे- एक विषय विशेष को जब बालक विद्यालय स्तर पर अध्ययन करता है तो विषय subject के रूप में माना जाता है। जैसे इतिहास, भूगोल गणित इत्यादि। किन्तु जब वही विषय सूक्ष्म अध्ययन, अनुसंधान इत्यादि के लिए उच्च स्तर पर अध्ययन की जाती है तो वह ~~अनुसंधान के~~ अनुशासन के रूप में मानी जाती है। जैसे- किसी खास विषय में खास शिक्षण बिन्दु पर अनुसंधान करना। उदाहरण स्वरूप आर्कमेडिज के सिद्धान्त की सत्यता की पहचान करना। इन दोनों को विस्तार पूर्वक समझने के लिए हमें विषय एवं अनुशासन दोनों को पृथक रूप से समझना होगा। इसके लिए हमें विषय एवं अनुशासन के अर्थ, उद्देश्य एवं स्वरूप को समझना होगा।

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

Meaning of subject विषय का अर्थ

2

R.N.Roy

प्राप्त ज्ञान को जब उसकी प्रकृति, प्रकार, उपयोगिता, क्षेत्र इत्यादि के आधार पर अलग अलग समूहों में बाँटा दिया जाता है ताकि उसका अध्ययन सरलता के साथ किया जा सकता है तब उसे विषय कहा जाता है। अर्थात हम कह सकते हैं कि विषय सामान्य ज्ञान का समूह है।

"subject is the branch of similar knowledge."

जैसे:- भुगोल, विज्ञान, गणित इतिहास, इत्यादि।

Nature of subject विषय की प्रकृति

प्रत्येक विषय के अध्ययन क्षेत्र, विधि उपयोगिता उसके अलग-अलग स्वरुप प्रकट करते हैं। जब सामाजिक विकास के ~~रूप में~~ विषय के रुप में अध्ययन किए जाते हैं तो समाजिक विज्ञान का रुप प्रकट करते हैं। ~~इस~~ इसी प्रकार जब सत्य की खोज एवं वैज्ञानिक विधि द्वारा अध्ययन किया जाता है तो उसका स्वरुप वैज्ञानिक प्रकट होता है। इस तरह मुख्य रुप से विषय के तीन स्वरुप दिखायी पड़ते हैं।

1. subject as a science (विषय विज्ञान के रुप में)
2. subject an art (विषय कला के रुप में)
3. subject as a social science (विषय सामाजिक विज्ञान के रुप में।

Subject as a science (विषय विज्ञान के रुप में)

कोई भी विषय विज्ञान के रुप मे तभी प्रकट होती है जब इसमें निम्नलिखित विशेषताएँ दिखाई देती है।

* search of truth (सत्यता की खोज)
* sciencetific method of study (अध्ययन की वैज्ञानिक विधि
* Re-examine - पुन: जाँच (तथ्य का

R.N.Roy

Experimentable (प्रयोगात्मक)

* Having Hypothesis (परिकल्पना होना)

* Study course and effect (कारण और प्रभाव का अध्ययन)

* Qualitative and Quantative analysis

मात्रा निर्धारण नहीं → गुणात्मक एवं मात्रात्मक विश्लेषण → संख्या से जुड़ा है

* Systmatic and orgnised व्यवस्थित और आयोजन

* Discovery and innovation (खोज और नवीनता)

* Specific principle. (विशिष्ट सिद्धान्त)

Subject an Art (विषय कला के रूप में)

कोई भी विषय कला के रूप में अपने स्वरूप को तब प्रस्त करती है जब इसमें निम्नलिखित विशेषताएं पायी जाती है।

* Beautiful presentation (सुन्दर प्रस्तुति)

* Aesthetic value (सौन्दर्य मूल्य)

* Systematic and orgnised (व्यवस्थित और आयोजन)

* Attraction (आकर्षण)

* Develop asthetic sense सौन्दर्य बोध का विकास

* Imagination कल्पना

सौन्दर्य प्रत्यन :

किसी कार्य की वे विशेषताएँ जो कला के कार्य के रूप में उसकी सफलता और महत्व में योगदान करती है

सौन्दर्य बोध का विकास - सौन्दर्य बोध कुछ ऐसा नहीं है जो स्वभाविक रूप से आता हो अपने अतीत के अनुभवों और अपने व्यक्तिगत के आधार पर उदाहरण के लिए यदि आपका कुत्ता मर गया तो आप एक कुत्ते की तस्वीर देखते

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

जो आपको तरह दिखता है और आपको रोने का 4 आग्रह महसूस होता है। आपके सौन्दर्य बोध का बोध करता है। हम अपने जीवन में प्रतिदिन सौन्दर्य बोध का उपयोग करते हैं। यह वह समझदारी है जो किसी चीज को बहुत सुन्दर बनाती है।

R.N.ROY

Nature of Discipline (अनुशासन की प्रकृति)

अनुशासन का स्वरूप एवं प्रकृति उसके अध्ययन विधि, क्षेत्र के आधार पर निर्धारित की जा सकती है। जो निम्नलिखित है।

1. Multi-Diciplinary:- (बहु विषयक)

सामान्य अर्थ में मैं बहु-विषयक से तात्पर्य है एक अंतिम लक्ष्य की तलाश में कई विषयों को इकट्ठा करना। मल्टी एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है कई अर्थात जो कई कारकों को शामिल करता है। जैसे- बहुकोशीय जिसमें कई कोशिकाएँ होती है। मल्टीकलर जिसमें कई कलर होते हैं। इस तरह कहा जा सकता है कि अनुशासन शैक्षणिक अर्थ में ज्ञान का एक निश्चित क्षेत्र है जिसका उपयोग पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में अध्ययन के लिए किया जाता है। इस तरह हम कह सकते हैं कि "बहु विषयक शिक्षण की एक प्रणाली है जिसमें विभिन्न विषयों में अनुभव शामिल है, एक विशिष्ट कार्यक्रम के भीतर, लक्ष्यों को प्राप्त करने तलाश करते हैं। बहु-विषयक जब अन्य शब्दों के साथ संयोजन में उपयोग किया जाता है एक अर्थ का पालन करता है। जैसे- ~~पर्याय~~ पर्यावरण शिक्षा की यदि हम बात करें तो हम देखते हैं कि इनमें वन, नदी, हवा, इत्यादि सबों के बारे में अध्ययन करना पड़ता है।

बहुविषयक
अन्तःविषय
ट्रांसडीसीप्लीनीटी
पार अनुशासन

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

कुल मिलाकर हम कह सकते है कि जब कोई शास्त्र अपने-अपने अध्ययन के क्रम में कई शास्त्रों के साथ सम्बन्ध स्थापित करते है तो इसे बहु-विषयक कहा जाता है।

RN-ROY

Inter Diciplinary (अंत: विषय अंतर्विषयकता)

सामान्य रूप में विद्या अर्जन विषयों के मिश्रित अध्ययन क्षेत्र को अन्तर्विषयकता या अंत: विषय कहा जाता है। जैसे भूमंडलीय उष्मीकरण का अध्ययन करने के लिए भौतिकी, भूगोल, जीव विज्ञान और कई अन्य विषयों का एक अंत: विषय क्षेत्र है। इस तरह अंत: विषय प्रारूप दो अलग-अलग विषयों के संयोजन के द्वारा एक प्रारूप विकसित करने के लिए अनुमति देता है। इस तरह हम कह सकते हैं कि "जब दो या दो से अधिक विद्यार्जन विषयों में मिलकर अध्ययन किया जाता है तो अध्ययन के इस क्षेत्र को अंत: विषय कहा जाता है।

Transdisciplinary

ट्रान्स डीसीपीलीनरी एक अनुसंधान रणनिति को जोड़ती है जो समग्र दृष्टिकोण को बनाये रखने के लिए कई अनुशासनात्मक सीमाओं को पार करती है। यह इन सीमाओं पर केन्द्रित शोध प्रयासों पर लागू होता है जो दो या दो से अधिक विषय की सीमाओं को पार करते हैं। जैसे:- जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए सूचना प्रणाली (जैव सूचना,) जो अनुशासन के द्वारा विकसित किए गए हो। इस तरह हम कह सकते हैं कि जब दो या दो से अधिक शास्त्र एक दूसरे के साथ मिलकर कार्य करते हैं ताकि एक समग्र रूप ले सके ट्रान्स डीसीपीलीनरी कहलाता है।

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

Cross Disciplary (पार अनुशासन)

N.ROY

पार अनुशासन से तात्पर्य वैसे अनुशासन से जिसके अन्तर्गत दो या दो से अधिक विषयों को पार करके तीसरे अथवा अन्य विषयों का सहारा लेकर अनुसंधान किया जाता है जैसे Economics में अर्थशास्त्र एवं सामाजिक विज्ञान को पार करते हुए गणित का प्रयोग किया जाना। इसमें बहुत सार विषयों को सम्मिलित किया जाता है। जैसे - सैनिकों द्वारा नियमों का पालन करते हुए विशेष परिस्थिति में अन्य नियमों का लगाया जाना। जैसे - धर्म, राजनिति इत्यादि

विषय और अनुशासन में अन्तर

विषय	अनुशासन
* विषय ज्ञान की एक शाखा को संदर्भित करता है।	* अनुशासन अकादमिक अध्ययन की शाखा को संदर्भित करता है
* विषय के अर्थ ज्ञान का अर्जन करना है।	* अनुशासन का अर्थ है एक नियम के अन्तर्गत चलना
* विषय अधिगमकर्ता के साथ जुड़ा हुआ है	* अनुशासन शिक्षाविद् के साथ जुड़ा हुआ है
* विषय के अन्तर्गत गणित सहित सभी स्कुली विषय सम्मिलित है	* अनुशासन के अन्तर्गत मनोविज्ञान समाज शास्त्र, नृविज्ञान, गणित और सभी दर्शन के विषय है
* एक विषय ज्ञान प्रदान करने का प्रयास करता है जो सम्पूर्ण शैक्षिक उद्देश्यों के अनुरूप है	* अनुशासन शिक्षाविदों या विशेषज्ञों का उत्पादन करती है

End.

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

Knowladge (ज्ञान) 65 (1)

R01 निरपेक्ष सत्य की स्वानुभूति ही ज्ञान है। यह प्रिय-अप्रिय सुख-दुख इत्यादि भावों से निरपेक्ष होता है। इसका विभाजन विषयों के आधार पर होता है। ज्ञान लोगों के भौतिक तथा बौद्धिक सामाजिक क्रियाकलाप की उपज संकेतों के रूप में जगत के वस्तुनिष्ठक गुणों और प्राकृतिक और मानवीय तत्वों के बारे में विचारों की अभिव्यक्ति है। ज्ञान दैनंदिन तथा वैज्ञानिक हो सकता है। वैज्ञानिक ज्ञान आनुभविक और सैद्धान्तिक वर्गों में विभक्त होता है। इसके अलावे समाज में ज्ञान की कलात्मक, धार्मिक तथा अन्य कई अनुभूतियाँ होती है। सामाजिक, ऐतिहासिक अवस्थाओं पर मनुष्य के क्रियाकलापों तथा आत्मनिर्भरता भी ज्ञान की पहलु है। अर्थात ज्ञान से आशय वास्तविकता के किसी पक्ष के प्रति जागरूकता तथा समझ से है जो कि सत्य विश्वास पर आधारित है। यह स्पष्ट और सुबोध सूचना या तथ्य है जो कि तार्किक प्रक्रिया के अनुप्रयोग द्वारा वास्तविकता से प्राप्त किया जा सकता है। पारंपरिक दार्शनिक उपागम के अन्तर्गत ज्ञान के लिए तीन शर्तों का होना आवश्यक एवं पर्याप्त माना गया है। इनके अनुसार ज्ञान परिभाषित किया जा सकता है कि ज्ञान साक्ष्य पर आधारित सत्य विश्वास है जो तीन शर्तों का पालन करता है

1. सत्य
2. विश्वास
3. प्रमाणिकता या तर्कसंगतता

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

R.N.ROY

Nature of Knowledge

(2)

ज्ञान की प्रकृति को ज्ञान की विशेषताओं के माध्यम से समझा जा सकता है इस तरह ज्ञान की निम्नांकित प्रकृति है

1. ज्ञान में शक्ति है
2. ज्ञान कभी भी समाप्त नहीं होता
3. ज्ञान सत्य तक पहुँचने का साधन है
4. ज्ञान धन की तरह है, जितना एक मनुष्य को प्राप्त होता है वह उतना ही पाने की इच्छा करता है
5. ज्ञान प्रेम तथा मानव स्वतंत्रता के सिद्धान्तों का ही आधार है
6. ज्ञान क्रमबद्ध बढ़ते रहता है अचानक नहीं मिल जाता
7. ज्ञान की पुष्टि की जा सकती है
8. ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती
9. ज्ञान सुनिश्चित है
10. तथ्य तथा मूल ज्ञान के आधार माने जाते है
11. शब्दों के अर्थ, शर्त, विचार ज्ञान के आधार के रूप में कार्य करते हैं
12. सूचना ज्ञान का स्रोत है
13. धर्म की भाँति ज्ञान को जानने के लिए अनुभव करने चाहिए
14. ज्ञान सामाजिक रूप से साझा की गयी समझ है
15. ज्ञान संचयी है क्योंकि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जाती है।
16. ज्ञान सीमित और सीमा से परे है

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

Basic Permises and and philosophy of subject

CS
R.N.ROY

बुनियादी परिसर और विषय के दर्शन

दर्शन का अर्थ एवं परिभाषा

दर्शन का शाब्दिक अर्थ :- दर्शन अंग्रेजी भाषा के Philosophy शब्द का रूपान्तरण है। इस शब्द की उत्पत्ती ग्रीक के दो शब्द 'फिलोस' तथा सोफिया से हुई है। फिलोस का अर्थ है प्रेम अथवा अनुराग और सोफिया का अर्थ है ज्ञान। इस प्रकार philosophy अर्थात दर्शन का शाब्दिक अर्थ ज्ञान का अनुराग अथवा ज्ञान का प्रेम से है। इस दृष्टि से ज्ञान तथा सत्य की खोज करना तथा उसके वास्तविकता स्वरूप के समझने की कला को दर्शन कहते हैं तथा किसी कार्य को करने से पूर्व इस कला को प्रयोग करने वाले को दार्शनिक की संज्ञा दी गई है। प्लेटो ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक रिपब्लिक में लिखा है - " जो व्यक्ति ज्ञान को प्राप्त करने तथा नई - नई बातों को जानने के लिए रूचि प्रकट करता है तथा जो कभी संतुष्ट नहीं होता है उसे दार्शनिक कहा जाता है

विशिष्ट अर्थ

विशिष्ट तथा आधिक प्रत्यक्ष रूप मे दर्शन का अर्थ आमूर्त चिन्तन करने के उस प्रयास से है जिसके द्वारा आत्मा ईश्वर प्रकृति तथा सम्पूर्ण जीवन का रहस्य उद्घाटन किया जाता है। इस दृष्टि से मनुष्य क्या है? जीवन क्या है? वास्तविकता जीवन का उद्देश्य क्या है? इस संसार की प्रकृति क्या है? व्यक्ति इस संसार में क्यों आया है? तथा मृत्यु के पश्चात कोई और जन्म होगा? इस प्रकार के बातों की खोज करके उस चिरन्तन सत्य का उद्घाटन करना दर्शन का मुख्य विषय है। दूसरे शब्दों मे उक्त प्रश्नों के अध्ययन को दर्शन कहते हैं। चूंकि ये सभी बातें अत्यन्त गूढ़ है इसलिए इस विषय में चिन्तन तथा मनन करना एवं सत्य के वास्तविकता स्वरूप

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

को समझना साधारण तथा सामान्य बुद्धि वाले व्यक्तियों की सामर्थ्य से परे की बात है। यह कार्य महान व्यक्ति का है। इस सन्दर्भ में हेडसन ने लिखा है:-

R.N.ROY

दर्शन ऐसी सबसे जटिल समस्याओं का कठिन, अनुशासित तथा सावधानी के साथ किया हुआ विश्लेषण है जिसका मानव ने अनुभव किया है।

दर्शन की परिभाषा

* दर्शन उस निरंतर प्रयास को कहते हैं जिसके द्वारा हम अपनी और संसार की प्रकृति के सम्बन्ध में क्रमबद्ध ज्ञान के द्वारा एक सूक्ष्म दृष्टि प्राप्त करने की चेष्टा करते हैं।

सेलर्स

* अन्य क्रियाओं के समान दर्शन का मुख्य उद्देश्य ज्ञान की प्राप्ति है

रसल

इस परिभाषाओं के आधार पर दर्शन के लिए व्यापक अर्थ की बात कही गयी है

व्यापक अर्थ

व्यापक रूप में दार्शनिकों का कोई मिल वर्ग नहीं होता। वे सभी व्यक्ति दार्शनिक है जो सत्य के किसी न किसी रूप में खोज करते हैं। यदि ध्यान से देखा जाय तो पता चलेगा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन की लम्बी यात्रा में जन्म से लेकर मृत्यु तक दिन-प्रतिदिन अनेक नये-नये अनुभव होते रहते हैं। इन अनुभवों के आधार पर उसे नवीनतम ज्ञान की प्राप्ति होती है। इतना ही नहीं उसे हर समय जानने की इच्छा होती रहती है अच्छा क्या है अथवा बुरा क्या है, उचित अथवा अनुचित, सुन्दर अथवा कुरूप, तथा न्याय अथवा अन्याय में क्या भेद है? के अनेकों प्रश्न उठते हैं। परिणामस्वरूप वह सत्य की खोज करने के लिए अपनी समस्त मानसिक शक्तियों को

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

R.N.ROY

जुता देता है। इस प्रकार हम देखते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी रूप में सदैव सत्य की खोज करता है। इस तरह कहा जा सकता है कि सत्य की खोज करना ही दर्शन है जो कि व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस तरह 'हावर' के शब्दों में कहा जा सकता है, संसार का प्रत्येक व्यक्ति जन्मजात दार्शनिक है। उपर्युक्त विवरण से पूर्णत: यह स्पष्ट हो जाता है कि संसार का प्रत्येक व्यक्ति दार्शनिक के रूप में सत्य की खोज करने को उत्सुक होता है। इसलिए वह प्रत्येक वस्तु के वास्तविक स्वरूप को ठीक-ठीक समझने में सफल भी हो जाता है। इसे समझने में यह जरूरी नहीं है कि व्यक्ति विद्वान है या मूर्ख, अपनी-अपनी विचारधाराओं तथा सिद्धान्त बना लेता है एवं जीवन के कुछ आदर्शों और मूल्य में विश्वास करने लगता है। इस संदर्भ में हक्सले ने लिखा है:- "मनुष्य अपने जीवन दर्शन तथा संसार की विषय में अपनी-अपनी धारणायें के अनुसार जीवन व्यतीत करती है। यह बात अधिक से अधिक विचारहीन व्यक्तियों के विषय में भी सत्य है। बिना दर्शन के जीवन को व्यतीत करना असंभव है। इस प्रकार इन अर्थों के आधार पर दर्शन की निम्नांकित विशेषताएँ हैं।

* अनुभवों तथा परिस्थितियों के अनुसार दर्शन - दर्शन की पहली विशेषता यह है कि इसका जन्म अनुभव तथा परिस्थिति के अनुसार होता है। यही कारण है कि संसार के भिन्न-भिन्न व्यक्तियों ने समय-समय पर अपने-अपने अनुभव तथा परिस्थितियों के अनुसार भिन्न-भिन्न प्रकार का जीवन अपनाया उन्होंने अपने दर्शन में न केवल सैद्धान्तिक रूप से विचार

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

किया बल्कि उसको कार्य रूप में परिणत भी किया गया इसको लिखित अथवा भाषित रूप में दूसरे लोगों तक पहुँचाने के लिए अथक प्रयास भी किया। जैसे महात्मा बुद्ध ने मानवीय कष्टों को समाप्त करने के लिए कुछ साधनों की खोज की। इसलिए उन्होंने मोक्ष एवं मुक्ति के दर्शन का प्रचार किया। ऐसा उन्होंने किया ताकि उनके अनुयायी उनपर विश्वास करे। हिटलर साहसी तथा बहादुरी का पुजारी था। इसलिए उसने युद्धकारी दर्शन का प्रचार किया।

R.N.ROY

* दर्शन तथा विज्ञान- दर्शन की दूसरी विशेषता यह है कि इसका विज्ञान से घनिष्ठ सम्बन्ध है। विज्ञान हमें वास्तविकता से परिचित कराता है। अतः विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रस्तुत की गयी वास्तविकतायें जिसका सम्बन्ध बालक की प्रकृति तथा वातावरण से है दर्शन की अपरिपक्व सामग्री है। यदि जीवन को वास्तविकता का ज्ञान नहीं होगा तो दर्शन के लिए सत्य का खोज करना संभव नहीं होगा। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को दर्शन तथा विज्ञान का परम अध्ययन करना आवश्यक है।

दर्शन तथा शिक्षा में सम्बन्ध

इस प्रकार कहा जा सकता है कि दर्शन तथा शिक्षा में घनिष्ठ सम्बन्ध है। दोनों का लक्ष्य सत्य को प्राप्त करना है।

* दर्शन जीवन के उस वास्तविक लक्ष्य को निर्धारित है जिसे शिक्षा को प्राप्त करना है।

* दर्शन शिक्षा के विभिन्न अंगों को प्रभावित करता है

* महान दार्शनिक महान शिक्षा शास्त्री भी हुए है

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA